Title: Demand to take proper security steps to protect the lives of civilians minorities and also armed forces personnel during cease fire in Jammu and Kashmir.

श्री जे.एस.बराड़ (फरीदकोट) : अध्यक्ष महोदय, मैं सदन का ध्यान एक बहुत अलार्मिंग स्थिति पर दिलाना चाहता हूं। रमजान के पवित्र मौके पर प्रधान मंत्री जी ने सारे देश में जो सीज़ फायर का ऐलान किया है, उसका सब पार्टियों ने स्वागत किया है और सारी दुनिया में उसका स्वागत हुआ है। इसकी सब लोगों को चिन्ता है जैसे वहां हर समुदाय का कत्ल हो रहा है, इंटैलीजैंस एजैंसीज़ बुरी तरह फेल हुई हैं और एक दिन पूरा होने पर सत्रह लोगों का कत्ल और पैरा-मिलिट्री फोर्सेस, मिलिट्री फोर्सेस, माइनौरिटीज़, किसी को सिख, किसी को हिन्दू कह कर वहां जो कत्ल किया जा रहा है, इस पर सरकार को तुरन्त कोई न कोई पुख्ता और मुस्तकिल कदम उठाना चाहिए नहीं तो जो सीज़ फायर का ऐलान किया गया है, उस का देश को कोई फायदा नहीं होने वाला है। मैं सरकार से विनती करूंगा कि वह अपनी बहुत डूंगी नींद से उठे और इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर, जो कश्मीर का मसला है, अपना ध्यान पूरे रूप से दे क्योंकि उनको मालूम था कि रमजान के पवित्र मौके पर ऐलान करने के बाद एक्रॉस दी बार्डर टैरोरिज़्म, आई.एस.आई. अपनी सरगर्मी तेज़ करेंगी। लेकिन सरकार ने उसका कोई इंतजाम नहीं किया और वह इसमें पूरी तरह असफल रही है।